RNI NO. RAJHIN/2013/50649

pktimesnews.com PK Times News thepktimesofficial pk_timesofficial

PK टाइम्स

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

'अपने दिन की शुरूआत मुस्कुराहट के साथ करें, इससे आपका दिन खुशनुमा हो जाएगा।'

वर्ष - 12 | अंक - 260 | मूल्य - 1 रुपए | राजस्थान | शनिवार, 28 मार्च, 2026

3462 मेगावाट के 1525 सौर ऊर्जा प्लांट लगे गांव-ढाणी रोशन तो किसानों को सिंचाई में राहत

पीएम-कुसुम योजना से प्रदेश में नई ऊर्जा क्रांति का संचार, कुसुम कम्पोनेंट-ए में राजस्थान पहला राज्य

लोक टुडे। जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पीएम-कुसुम योजना में लग रहे ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्रों ने प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में नई क्रांति ला दी है। इन संयंत्रों से उत्पन्न बिजली से किसानों का दिन में सिंचाई का सपना साकार हो रहा है। गांव-ढ़ाणी और घर रोशन हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उद्यमिता के नए युग की शुरूआत से अन्नदाता ऊजार्दाता और भाग्य विधाता बन गया है। इससे कोयले से उत्पन्न बिजली पर निर्भरता कम हुई है और सस्ती एवं प्रदूषणरहित सौर ऊर्जा का उपयोग कृषि में बढ़ा है। राजस्थान के गांव-ढ़ाणी में कुसुम कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी में अब तक 3585 मेगावाट के 1617 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें से 3462 मेगावाट के 1525 संयंत्र विगत दो वर्ष एवं तीन माह की छोटी सी अवधि में स्थापित हुए हैं। यह आंकड़े मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा इस योजना को दिए जा रहे प्रोत्साहन की सफलता को दशार्ने के लिए काफी हैं।

किसानों को दिन मे मिल रही बिजली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष-2027 तक प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली देने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को साकार करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन संयंत्रों से उत्पादित बिजली से प्रदेश में 2 लाख 29 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली सुलभ हो रही है।

रामनवमी पर 23.60 मेगावाट क्षमता के 12 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित

पीएम-कुसुम योजना से राजस्थान के किसानों को सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की नई ऊर्जा मिली है। इस योजना में राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा कुल 12 सौर ऊर्जा संयंत्र रामनवमी के पावन अवसर पर स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 23.60 मेगावाट है। जयपुर, अजमेर और जोधपुर में 4-4 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। ये संयंत्र बूंदी, अलवर, कोटपूतली, अजमेर, नागौर, डीडवाना, सीकर, बीकानेर, बालोतरा और जोधपुर सर्किल में लगे हैं, इनसे सौर ऊर्जा प्रदेश के गांव-ढ़ाणी तक पहुंच रही है। एक साथ 12 सौर संयंत्रों ग्रिड से जुड़ने पर 2 हजार से अधिक किसानों के लिए बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

कुसुम कम्पोनेंट-ए में राजस्थान प्रथम

कुसुम कम्पोनेंट-ए में 686 मेगावाट के 496 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इसमें राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं कम्पोनेंट-सी में 2899 मेगावाट के 1121 प्लांट लग चुके हैं। इसमें राजस्थान का द्वितीय स्थान है। योजना के अंतर्गत फीडर लेवल सोलराइजेशन में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने इसी वर्ष जनवरी माह में दिल्ली में आयोजित हुए ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया

संयंत्रों की स्थापना को मिल रही निरंतर गति

विगत समय में प्रदेश में कुसुम प्लांटों के स्थापित होने की गति और तेज हुई है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगम क्षेत्र में औसतन तीन से चार नए प्लांट प्रतिदिन लग रहे हैं। जिनसे औसतन 10 मेगावाट क्षमता प्रतिदिन ग्रिड से अतिरिक्त जुड़ रही है। इस वर्ष जनवरी माह में ही 286 मेगावाट तथा फरवरी माह में 295 मेगावाट क्षमता के प्लांट ग्रिड से जुड़ चुके हैं। कम्पोनेंट-ए में सर्वाधिक 86 प्लांट्स अकेले बीकानेर जिले में स्थापित हुए हैं। इसके पश्चात 34 सौर ऊर्जा संयंत्र जोधपुर तथा 32 सौर संयंत्र झुंझुनूं सर्किल में लग चुके हैं। वहीं कम्पोनेंट-सी में फलौदी में 24,561, जोधपुर में 22,469 तथा बीकानेर में 22003 सोलर पंपों को ऊजीर्कृत किया जा चुका है। इस योजना को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगम लगातार अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी करने, सोलर प्लांट स्थापित करने तथा पावर परचेज एग्रीमेंट करने से संबंधित प्रक्रियाओं का त्वरित निस्तारण किया जाता है। एसओपी में निहित प्रावधानों के अनुरूप मीटर टेस्टिंग, ट्रांसमिशन लाइनें डालने तथा ट्रांसफार्मर से संबंधित तकनीकी प्रक्रियाओं को समय पर पूर्ण किया जा रहा है।

बच्चे के गले में सिक्का फंसा, 15 मिनट में ऑपरेशन कर बचाई जान

लोक टुडे। बांसवाड़ा

बांसवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल में 6 साल के बच्चे ने गुरुवार शाम करीब 7 बजे खेलते समय सिक्का निगल लिया, जो गले में फंस गया। कुशलगढ़ के चरकनी गांव के इस बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत हॉस्पिटल लाया गया। रात 9:45 बजे डॉक्टरों ने ऑपरेशन शुरू किया और करीब 15 मिनट में दूरबीन से सिक्का निकाल दिया। समय पर इलाज मिलने से बच्चे की हालत ठीक हो गई। डॉ. संदीप जोशी के अनुसार टीम ने बच्चे को पहले बेहोश किया, ताकि ऑपरेशन के दौरान कोई हरकत न हो। इस के बाद मुंह के रास्ते पतली दूरबीन आहार नली में डाली गई, जिसमें कैमरे से सिक्के की सही जगह देखी गई। फिर खास उपकरण से सिक्के को सावधानी से पकड़कर धीरे-धीरे बाहर निकाला गया। पूरी प्रक्रिया करीब 15 मिनट में पूरी हुई और इस दौरान बच्चे की सांस और हार्टबीट पर लगातार नजर रखी गई। समय पर इलाज मिलने से बच्चे की जान बच गई। फिलहाल बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य स्थिति में है।

बेहोशी देना था सबसे बड़ा जोखिम : डॉ. जोशी ने बताया कि इस तरह के केस में बच्चे को बेहोश करना सबसे बड़ा जोखिम होता है, लेकिन टीम ने पूरी सावधानी से यह प्रक्रिया पूरी की और ऑपरेशन सफल रहा।

इनकी टीम ने किया इलाज : ऑपरेशन में डॉ. संदीप जोशी के साथ एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र पाल और नर्सिंग स्टाफ हितेश व विठला भाई शामिल रहे।

पाकिस्तानी डॉन के इशारे पर राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश, रेकी करने वाला पकड़ा

दूसरे राज्यों में भी धमाकों के लिए बनाए वीडियो, सुरक्षा एजेंसियां करेगी पूछताछ

लोक टुडे। श्रीगंगानगर

राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश कर रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के ऑर्डर पर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब में भी रेकी कर वीडियो बनाए थे। ये जानकारी उसने भट्टी के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर भी की थी। आरोपी आकाशदीप श्रीगंगानगर के चक केरा गांव का रहने वाला है। उसे 26 मार्च की शाम को गांव से ही पकड़ा गया है। आशंका है कि आरोपी का संबंध 13 मार्च 2026 को अंबाला (हरियाणा) में मिले आरडीएक्स के मामले से हो सकता है।

सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में था : लालगढ़ जाटान थाना पुलिस ने आकाशदीप को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी भट्टी के साथ इंस्टाग्राम और वॉट्सएप के जरिए लंबे समय से संपर्क में था। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ ने बताया- आकाशदीप बदमाश प्रवृत्ति का है। वो ग्रामीणों को पाकिस्तानी आतंकवादियों से संपर्क होने की धमकी देता था। ग्रामीणों ने इसको लेकर पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसके डॉन से कनेक्शन की जानकारी सामने आई। धमाके वाली जगह पहुंचने का प्लान भी बनाया। आकाशदीप ने शहजाद भट्टी के कहने पर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में ऐसे जगहों को चिन्हित किया, जहां सबसे ज्यादा भीड़ होती है। पूछताछ में उसने बताया कि इन जगहों तक पहुंचने का प्लान भी उसने डॉन के साथ शेयर किया था। अब पुलिस उसके लोकल कॉन्टैक्ट, परिवार व अन्य लोगों से भी पूछताछ करने की तैयारी में है।

मोबाइल डेटा की जांच कर रही है पुलिस : पुलिस को आरोपी के मोबाइल से कई सुराग भी मिले हैं। उसने आतंकी से बात करने के लिए अलग-अलग नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बना रखे थे। आरोप है कि आकाशदीप से भारत-पाकिस्तान के लोगों से वॉयस चैट और +92 कोड वाले खास नंबर्स पर जानकारी शेयर करता था। फोटो गैलरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से शहजाद भट्टी के साथ बनाई अपनी फोटो भी मिली है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने वॉट्सएप पर +923249695402 नंबर पर Hello मैसेज भेजा गया था, जिस पर रिप्लाई भी मिला।

विस्फोट करने निकले थे, पहले ही पकड़े गए : डॉन भट्टी के इशारे पर आरोपी पैशन प्रो मोटरसाइकिल पर विस्फोटक, आईईडी, बैटरी, टाइमर और डेटोनेटर लेकर अंबाला कैंट की ओर निकले थे। मगर उनकी इस साजिश का पता लंबे समय से शहजाद भट्टी को रडार पर लिए हुए एसटीएफ की टीम को चल गया। टीम ने रास्ते में नाका लगाकर उन्हें पकड़ लिया।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, शनिवार, 28 मार्च, 2026

सियासी हलचल के बीच शाकंभरी पहुंचे बिहार के जलदाय मंत्री

4 घंटे तक राजश्री योग व आरोग्य की पूजा-अर्चना की, डिप्टी सीएम का दौरा रद्द

लोक टुडे। सीकर

बिहार में चल रही सियासी उठापटक के बीच बिहार के जलदाय मंत्री संजय सिंह का शाकंभरी धाम दौरा चर्चा में रहा। उन्होंने यहां करीब 4 घंटे तक राजश्री योग और आरोग्य के लिए विशेष पूजा-अर्चना की। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का शाकंभरी माता का प्रस्तावित कार्यक्रम अचानक रद्द हो गया। जल संसाधन मंत्री संजय सिंह शुक्रवार प्रसिद्ध शक्तिपीठ शाकंभरी माता के दरबार में पहुंचे। जहां उन्होंने माता के दरबार में दोनों हाथ जोड़कर दंडवत धोक लगाई। विख्यात ज्योतिषाचार्य पं. केदार शर्मा के निर्देशन में मंत्री संजय सिंह ने सपत्नीक मां शाकंभरी की पूजा अर्चना कर विशिष्ट कामना यज्ञ किया और भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर राजश्री योग और आरोग्य की कामना की।

31 पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ मंत्री संजय सिंह को दिलवाया संकल्प : इस दौरान डॉ. सुमन शर्मा के निर्देशन में राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा के साले प्रमोद शर्मा ने भी मंत्री संजय सिंह के साथ पूजा-अर्चना की। पं. महावीर शर्मा के आचार्यत्व में 41 पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ मंत्री संजय सिंह को संकल्प दिलवाया।

मंत्री ने शाकंभरी धाम दौरे को बताया निजी धार्मिक यात्रा

मंत्री संजय सिंह ने इसे पूरी तरह निजी धार्मिक यात्रा बताया, लेकिन सियासतदारों का हर कदम चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसे में बिहार सरकार की उथल-पुथल के बीच संजय सिंह की राजस्थान में पूजा-अर्चना को विशेष माना जा रहा है। हालांकि मंत्री संजय सिंह के साथ बिहार के डिप्टी सीएम और सीएम पद के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे सम्राट चौधरी का भी शाकंभरी माता के दर्शन का कार्यक्रम था, लेकिन अचानक उनका का कार्यक्रम कैंसिल हो गया।

महानवमी पर शाकंभरी माता के दरबार में भीड़ उमड़ी

इधर, चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन महानवमी पर शाकंभरी माता के दरबार में खूब भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में लोग जात-जडूले के लिए धोक लगाने पहुंचे। मंदिर में भीड़ को देखते हुए डीएसपी संदीप सिंह और सीआई प्रीति बेनीवाल के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता तैनात है। गौरतलब है कि सीकर जिले के सकराय में स्थित शाकंभरी माता के मंदिर में चारों नवरात्र (चैत्र व शारदीय तथा दोनों गुप्त नवरात्र) में विशेष पूजा और शतचंडी अनुष्ठान होते हैं। चारों नवरात्र में वीआईपी विजिट का क्रम बना रहता है।

प्राइवेट फाइनेंस के ऑफिस में महिला से अश्लीलता-मारपीट

मैनेजर ने दोनों बेटों को भी बंधक बनाने का किया प्रयास

लोक टुडे। सीकर

सीकर में एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में 50 वर्षीय महिला के साथ अश्लील हरकत और मारपीट की गई। इतना ही नहीं आरोपी मैनेजर ने महिला के साथ गाली-गलौज कर अभद्रता भी की। आरोप है कि मैनेजर ने महिला को कमरे में बंद कर दिया और उसके दो बेटों को बंधक बनाने की भी कोशिश की। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, जिस पर जांच शुरू कर दी गई है।

दरअसल, 25 मार्च महिला के दो बेटे किश्त जमा करवाने के लिए प्राइवेट फाइनेंस के ऑफिस गए थे। जहां पर फाइनेंस मैनेजर ने उनकी मां को बुलाया। इसके बाद अश्लीलता करते हुए कमरे में बंद करने की कोशिश की।

फाइनेंस मैनेजर दोनों बेटों के साथ कर रहा था मारपीट : महिला ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 25 मार्च को उसके दो बेटे अपनी दो टैक्सियों की किश्त जमा करवाने के लिए प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के ऑफिस पर गए थे। दोनों बुधवार को सुबह 9:30 बजे ऑफिस पहुंच गए थे। जहां पर कैशियर को किश्त का पैसा दे दिया। कैशियर ने उन्हें वहां पर बैठने को कहा। इसके बाद मैनेजर ने महिला के बेटे को बताया कि ईको गाड़ी की किश्त बकाया है, जो आपकी मां के नाम से है। इसलिए अपनी मां को यहां पर बुलाओ। दोनों बेटों ने मां को कॉल करके वहां पर बुलाया। करीब सुबह 10:30 बजे उनकी मां ऑफिस पहुंच गई। जहां पर उन्होंने देखा कि फाइनेंस मैनेजर उनके दोनों बेटों के साथ मारपीट कर रहा था और दोनों की टैक्सी को भी जब्त कर लिया। फिर कहने लगा कि ईको गाड़ी की किश्त जमा करवाने पर ही टैक्सी छोड़ी जाएगी। जब महिला ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो फाइनेंस मैनेजर ने उनके साथ भी मारपीट करना शुरू कर दिया और गंदी-गंदी गालियां देने लगा।

महिला के कपड़ों से पर्स निकाला फर्श पर गिराया फिर मैनेजर ने महिला के कपड़ों से पर्स निकाला और उन्हें फर्श पर गिरा दिया। इस तरह मैनेजर ने महिला के साथ अश्लीलता की। इस दौरान महिला का एक मंगलसूत्र भी वहीं गिर गया। इतना ही नहीं मैनेजर ने महिला और उनके बेटों को बंधक बनाने की भी कोशिश की।

राष्ट्रीय खनन सम्मेलन में चित्तौड़गढ़ के डीएमएफ कार्यों की सराहना

दो दिवसीय समिट में एकलव्य ज्ञान केंद्र बना आकर्षण का केंद्र

लोक टुडे। जयपुर

खनन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 23-24 मार्च 2026 को नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (उत्ज्ञ) निधि का प्रभावी उपयोग रहा। सम्मेलन में केंद्रीय खनन एवं कोयला मंत्री कृष्णा रेड्डी ने विशेष संबोधन देते हुए डीएमएफ निधि के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। चित्तौड़गढ़ जिले का प्रतिनिधित्व नीति आयोग के

एबीएफ राधाकिशन शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अरविंद मूंदड़ा तथा खनि विभाग से विशाल जोशी ने किया। सम्मेलन के दौरान आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में चित्तौड़गढ़ द्वारा लगाए गए स्टॉल में डीएमएफटी के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों को प्रदर्शित किया गया। स्टॉल पर विशेष रूप से एकलव्य ज्ञान केंद्र आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें खनन प्रभावित एवं आकांक्षी क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय मंत्री कृष्णा रेड्डी ने चित्तौड़गढ़ स्टॉल का अवलोकन कर डीएमएफटी के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान एबीएफ राधाकिशन शर्मा ने उन्हें जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों से अवगत कराया। मंत्री ने एकलव्य ज्ञान केंद्र पहल की सराहना करते हुए इसे डीएमएफ निधि के प्रभावी एवं अनुकरणीय उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

खरीदार को नहीं दिया घर, बिल्डर का ऑफिस होगा नीलाम

लोक टुडे। जोधपुर

जोधपुर में महानगर अपर सेशन न्यायाधीश संख्या-2 की अदालत ने बिल्डर पार्श्वनाथ डेवलपर्स के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने लोक अदालत के आदेशों की अवहेलना पर नाराजगी जताते हुए बिल्डर के सांगरिया स्थित सेल्स ऑफिस को नीलाम कर परिवादी की बकाया राशि वसूलने के निर्देश दिए हैं। महानगर अपर सेशन न्यायाधीश संख्या-2 प्रमोद बंसल की कोर्ट ने मामले में पेश किए गए एक्जिक्यूशन पिटीशन (अदालती आदेश की पालना करवाने की याचिका) का निस्तारण करते हुए यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने बिल्डर की लापरवाही पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आदेशों की अनदेखी न्यायिक व्यवस्था के प्रति लापरवाही दर्शाती है। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि 30 मार्च तक हर हाल में निर्णय की पालना सुनिश्चित की जाए।

वकील का तर्क- 5 साल से नहीं सौंपा विला का कब्जा : मामले में परिवादी विमला बापना के अधिवक्ता अनिल भंडारी और अन्य ने कोर्ट में तर्क दिया कि बिल्डर ने 5 साल से ज्यादा समय बीतने के बावजूद न तो विला का कब्जा सौंपा है और न ही बकाया राशि का भुगतान किया है। अधिवक्ता ने बताया कि परिवादी ने अप्रैल 2017 में विला के लिए 37.21 लाख रुपए की राशि जमा कराई थी। इसके बाद विवाद होने पर स्थायी लोक अदालत ने 6 नवंबर 2020 को परिवादी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बिल्डर को विला सही हालत में तैयार कर सौंपने के निर्देश दिए थे।

हजार्ना और ब्याज जुड़कर 43.18 लाख हुई बकाया राशि : याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि स्थायी लोक अदालत ने अपने पूर्व के फैसले में यह भी आदेश दिया था कि परिवादी द्वारा जमा कराई गई 37.21 लाख रुपए की राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज दिया जाए। साथ ही, जब तक विला का कब्जा नहीं सौंपा जाता, तब तक 12 हजार रुपए मासिक हजार्ने का भुगतान भी किया जाए।

अंबेडकर पुरस्कार 2026 आवेदन आज तक ही

लोक टुडे। जयपुर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने अंबेडकर पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 तथा जिला स्तरीय के लिए 5 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल) के अवसर पर ये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन डाक या व्यक्तिगत रूप से जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय आवेदन निदेशालय, जयपुर में तथा जिला स्तरीय आवेदन संबंधित जिला कार्यालय में जमा होंगे। राज्य स्तर पर अधिकतम 1 लाख रुपए तथा अन्य श्रेणियों में 51-51 हजार रुपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि जिला स्तर पर प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

शहर जिला उपाध्यक्ष का हार्ट अटैक से निधन

लोक टुडे। अजमेर

भारतीय जनता पार्टी के शहर जिला उपाध्यक्ष व निवर्तमान पार्षद दीपेंद्र लालवानी का देर रात निधन हो गया। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तुरंत जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सोनी ने बताया- दीपेंद्र लालवानी को कार्डियक अरेस्ट आया था। इसके साथ ही उनके शरीर के कुछ अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें बचाने के लिए सीपीआर भी दिया, लेकिन सभी प्रयास विफल रहे और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

तीन बार पार्षद रह चुके रमेश सोनी ने बताया कि दीपेंद्र लालवानी तीन बार पार्षद रह चुके थे। वर्तमान में भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। वे संगठन में सक्रिय और लोकप्रिय कार्यकर्ता माने जाते थे। दीपेंद्र लालवानी के आकस्मिक निधन से भाजपा संगठन और शहर में शोक की लहर है।

टीचर ने संत पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, एपीओ

लोक टुडे। अजमेर

अजमेर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना एक शिक्षक को भारी पड़ गया। शिक्षक के द्वारा संत पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर टीचर को एपीओ कर दिया है। अब मामले की जांच मुख्यालय की ओर से की जाएगी। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद प्रसाद शर्मा ने बताया कि शुक्रवार सुबह उन्हें राजकीय प्राथमिक विद्यालय किशनपुरा में पदस्थापित टीचर गोवर्धन चौधरी की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट प्राप्त हुई थी। पोस्ट में टीचर के द्वारा एक संत के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले के गंभीरता को देखते हुए टीचर गोवर्धन लाल चौधरी को एपीओ कर दिया गया है। इसके बाद अराईं के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भास्कर व्यास ने आदेश की पालना करते हुए संबंधित शिक्षक को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर दिया।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

03

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, शनिवार, 28 मार्च, 2026

फ्रांस के राजदूत की चिट्ठी शेयर की, जूली बोले-राजस्थान राइजिंग के नाम पर वाहवाही लूटी

डोटासरा बोले-सौदेबाजी करने निवेशकों को परेशान किया जा रहा

लोक टुडे। जयपुर

फ्रांस की कंपनी को राजस्थान में इंडस्ट्री लगाने के लिए जमीन देने में देरी और कंपनी को होने वाली परेशानियों को लेकर राजदूत की चिट्ठी सामने आने के बाद सियासी विवाद हो गया है। इस चिट्ठी को सोशल मीडिया पर शेयर कर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने सरकार पर निशाना साधा है। फ्रांस के राजदूत ने राज्य सरकार को चिट्ठी लिखकर फ्रेंच कंपनी सॉफ्लेट माल्ट इंडिया को हो रही दिक्कतों को दूर करने और कंपनी को बैठक के लिए समय देने का आग्रह किया है। राजदूत ने कंपनी को रीको की तरफ से जमीन देने में देरी करने और सीएम से वार्ता होने के बावजूद महंगी दरों पर जमीन की दरें तय करने पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने सरकार पर इसे लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मुद्दे पर अभी तक सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस चिट्ठी के सामने आने के बाद अब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा- फ्रांस की कंपनी सॉफ्लेट माल्ट इंडिया ने राजस्थान की निवेश नीति की असल तस्वीर सामने लाकर रख दी है। अगर मुख्यमंत्री स्तर पर बातचीत के बाद भी निवेश धरातल पर नहीं उतर रहा तो ये सीधे-सीधे सिस्टम की मंशा पर बड़ा सवाल है।

क्या निवेशकों को सेटिंग के लिए मजबूर किया जा रहा

डोटासरा ने लिखा- समिट में समझौता होने और सकारात्मक चर्चा के बाद भी अगर विदेशी कंपनी जमीन के लिए भटक रही है, तो इसके क्या मायने हैं? आखिर कौन हैं जो फाइल रोककर बैठा है? डोटासरा ने कहा कि क्या निवेशकों को जानबूझकर उलझाकर सेटिंग के लिए मजबूर किया जा रहा है, ताकि सौदेबाजी हो सके? ऐसे दर्जनों उद्यमी हैं जो समिट में एग्रीमेंट के बाद धरातल पर उद्योग लगाना चाहते हैं, रोजगार देना चाहते हैं, लेकिन जमीन के लिए भटक रहे हैं। सरकार में बैठे लोगों तक उनकी सीधी बात नहीं, बल्कि कमीशनखोरों के रास्ते बढ़ रही है। ये प्रकरण साफ बता रहा है कि भाजपा की पर्ची सरकार की प्राथमिकता निवेश और रोजगार सृजन नहीं, बल्कि कलेक्शन बन चुकी है।

जूली बोले- निवेशकों को दूर करने के हालात पैदा कर रही सरकार

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने फ्रांस के राजूदत की चिट्ठी को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए है। जूली ने एक्स पर लिखा- जो बात मैं विधानसभा के अंदर और बाहर कहता आ रहा हूं, उसी विषय पर अब फ्रांस के राजदूत ने मुहर लगा दी है। राज्य सरकार सिर्फ और सिर्फ राइजिंग राजस्थान के नाम पर वाहवाही लूटने का काम कर रही है और निवेशकों को मदद करने की इनकी सोच ही नहीं है। जूली ने लिखा- फ्रांस के राजदूत का पत्र बेहद गंभीर तथ्य की ओर इशारा कर रहा है कि जिन बातों पर सहमति हुई, उसके बावजूद निवेशक को जमीन के लिए तरसाया जा रहा है, ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं कि निवेशक दूर हो जाएं। कभी मुख्यमंत्री कहते हैं कि निवेशक फोन नहीं उठाते, कभी निवेशक शिकायत कर रहे हैं कि सरकार जमीन नहीं दे रही। यह पूरा प्रकरण राजस्थान की छवि पर बट्टा लगाता है। ये राइजिंग राजस्थान असल में जोक ऑफ राजस्थान बन गया है।

जोधपुर के बिजनेसमैन से 68.71 लाख की ठगी

लोक टुडे। जोधपुर

जोधपुर में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। ठगों ने व्हाट्सएप ग्रुप, फर्जी एप और नकली कंपनी के झांसे में फंसाकर एक युवक से 68 लाख 71 हजार रुपए हड़प लिए। पीड़ित को एप में करीब 6 करोड़ रुपए का फर्जी मुनाफा दिखाया जाता रहा, लेकिन वह रकम निकाल नहीं पाया। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में दी रिपोर्ट में उद्या अपार्टमेंट, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी सैयद हमीदुदीन पुत्र फसीउदीन ने बताया कि वह लंबे समय से शेयर मार्केट में ट्रेडिंग कर रहा था। 9 फरवरी 2026 को उनके मोबाइल नंबर को "Victory Vanguards 1 Team" और "Victory Vanguards 2 Team" नाम के व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया।

खुद को सेबी रजिस्टर्ड कंपनी का बताया : इन ग्रुपों में शेयर मार्केट से जुड़ी टिप्स दी जाती थीं, जो शुरूआती समय में सही साबित हुईं। इससे उसका ग्रुप की जानकारी पर भरोसा हो गया। इसके बाद ग्रुप एडमिन ने विदेशी नंबरों से संपर्क किया और अपने नाम राहुल वर्मा व प्रणय अधवर्यु बताए। आरोपियों ने खुद को "Gray Matters Capital" नामक कंपनी से जुड़ा बताया और कंपनी के सर्टिफिकेट भी भेजे। कंपनी को सेबी रजिस्टर्ड बताया। गूगल पर जांच करने पर कंपनी का नाम सही दिखने से उसे और भरोसा हो गया।

पीएम मातृ वंदना योजना में 11 लाख 52 हजार से अधिक गर्भवती महिलाएं लाभांवित

लोक टुडे। जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप प्रदेश में महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में संवेदनशील दृष्टिकोण से काम किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसी क्रम में महिलाओं के सशक्तीकरण, बाल विकास और संरक्षण, पोषण स्तर में सुधार, आंगनबाड़ियों की मजबूती एवं गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए

विभिन्न योजनाओं का संचालन किया है। राजस्थान में महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध हो इसके लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सफल क्रियान्वयन से राजस्थान जनवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में संपूर्ण देश में प्रथम स्थान पर तथा फरवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में द्वितीय स्थान पर रहा। इस योजना में 26 मार्च तक 11 लाख 52 हजार 08 गर्भवती महिलाओं को 553 करोड़ रुपये हस्तांरित किए गए हैं। इसी प्रकार गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा 3 वर्ष तक की आयु के बच्चों में पोषण की स्थिति को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना का भी सफल संचालन किया जा रहा है। इस योजना में 26 मार्च तक 5 लाख 15 हजार 818 लाभार्थियों को 172 करोड़ 19 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और महिला पर्यवेक्षकों को मिले स्मार्ट फोन : राजस्थान में बच्चों के संपूर्ण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए पोषण के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। 6 हजार 200 से अधिक मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को मुख्य आंगनबाड़ी केंद्रों में क्रमोन्नत किया गया है। 2 हजार 365 आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

जल प्रबंधन परियोजनाओं की गणना पूर्ण, प्रदेश को मिला पुरस्कार

लोक टुडे। जयपुर

जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में राजस्थान ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की प्रथम गणना समय पर पूर्ण करने पर जल शक्ति मंत्रालय ने राज्य को शील्ड एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया है। यह सम्मान डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित विश्व जल दिवस कॉन्क्लेव के दौरान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से मुख्य अभियंता (एसडब्ल्यूआरपीडी) ने सम्मान प्राप्त किया। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों और अभियंताओं के पूर्ण जिम्मेदारी से किए कार्यों की सराहना करते हुए इसे टीम वर्क का परिणाम बताया। परियोजनाओं से संबंधित आंकड़ों का संकलन, सत्यापन एवं पोर्टल पर अपलोडिंग का कार्य अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता स्तर तक समयबद्ध रूप से संपन्न किया गया। राज्य स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से इस प्रक्रिया को गति प्रदान की गई। निर्धारित समय से पूर्व कार्य पूर्ण करना प्रशासनिक दक्षता और प्रभावी जल प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन, योजना निर्माण एवं नीति निर्धारण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जल शक्ति मंत्रालय के निर्देशन में देशभर में वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की प्रथम गणना, लघु सिंचाई परियोजनाओं की सातवीं गणना, जल निकायों की द्वितीय गणना तथा स्प्रिंग्स की प्रथम गणना का कार्य प्रक्रियाधीन है। राजस्थान में इस गणना के लिए जल संसाधन विभाग को नोडल विभाग तथा निदेशक (नहर), जयपुर को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि अन्य गणनाओं के लिए राजस्व विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर

कृषि मंत्री की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन में वीसी के माध्यम से बैठक

लोक टुडे। जयपुर

खरीफ 2026 के दौरान कृषकों को उनकी मांग के अनुरूप उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में वीसी के माध्यम से सभी अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खंड और सभी संयुक्त निदेशक जिला परिषद के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए उर्वरकों की प्रभावी निगरानी एवं समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरकों के राज्य से बाहर अवैध परिगमन को रोकने के लिए सीमावर्ती जिलों में स्थापित चेकपोस्टों पर सघन निगरानी रखी जाएं। साथ ही उर्वरक निरीक्षकों द्वारा नियमित निरीक्षण कर जमाखोरी, टैगिंग, कालाबाजारी एवं अनियमितताओं पर उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नीम कोटेड यूरिया के औद्योगिक एवं गैर-कृषि उपयोग पर विशेष निगरानी रखते हुए औचक निरीक्षण कर पकड़े जाने वाली इकाइयों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की आपूर्ति, गुणवत्ता नियंत्रण तथा विक्रय में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु जिला स्तर पर गठित फर्टिलाइजर रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठकें अप्रैल के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही धरती माता बचाओ अभियान के अंतर्गत जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी समितियों की बैठकें भी 15 अप्रैल तक आयोजित कर किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, जैविक एवं कार्बनिक खेती को अपनाने तथा कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं गैर-कृषि उपयोग की रोकथाम के संबंध में जागरूक किया जाएगा।

अजमेर में स्विगी के डिलीवरी बॉय को कपड़े उतारकर पीटा

लोक टुडे। अजमेर

अजमेर में एक डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने दरगाह थाने में रिपोर्ट देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डिलीवरी बॉय कार्तिक वाल्मीकि ने बताया- उसके साथ काम करने वाला सतपाल पिछले करीब 3 सालों से अजमेर में स्विगी के साथ डिलीवरी का कार्य कर रहा है। 25 मार्च 2026 की रात को उसे मोबाइल के जरिए डायपर का ऑर्डर मिला, जिसमें ऑनलाइन भुगतान के तहत करीब 1000 रुपए उसके खाते में आए।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ाई

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025झ 26 की उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल 2026 कर दी गई है। पूर्व निर्धारित तिथि 31 मार्च 2026 थी। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने बताया कि शिक्षण संस्थानों के पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता अद्यतन एवं फीस स्ट्रक्चर अपलोड करने सहित विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूर्ण करने के लिए तिथि बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

04
जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, शनिवार, 28 मार्च, 2026

बोर्ड बैठक में रिटायर करने का प्रस्ताव, ऊर्जा मंत्री बोले-पर्यावरण स्वीकृति मिलने पर निर्भर

कोटा थर्मल पावर-स्टेशन की 4 यूनिट हो सकती हैं बंद

लोक टुडे। कोटा

कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन की 4 यूनिटें अगले 4 सालों में बंद हो सकती हैं। 25 मार्च को विद्युत उत्पादन निगम की बोर्ड बैठक में इसका प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव में दिसंबर 2019 को हुई बोर्ड की 293वीं मीटिंग का हवाला दिया गया है, जिसमें इन यूनिटों को धीरे-धीरे बंद करने की बात कही गई थी। यूनिट 1 से 4 की काम करने की अवधि जल्द ही पूरी होने वाली है। प्रस्ताव के अनुसार, कोटा थर्मल की चार यूनिटों को चरणबद्ध तरीके से साल 2030 तक बंद किया जाना है। फिलहाल यह प्रस्ताव पास हुआ है या नहीं, इसका खुलासा नहीं हुआ है। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद ही यूनिटों को बंद करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

चारों यूनिटों की बिजली उत्पादन क्षमता 640 मेगावाट

कोटा थर्मल पावर स्टेशन की 7 यूनिटों की कुल क्षमता 1240 मेगावाट बिजली उत्पादन करने की है। इनमें से पहली 4 यूनिटें 35 से 40 साल पुरानी हैं। यूनिट 1 और 2 की बिजली उत्पादन क्षमता 110-110 मेगावाट है, जबकि यूनिट 3 और 4 की क्षमता 210-210 मेगावाट है। इन चारों यूनिटों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 640 मेगावाट है। कोटा थर्मल प्लांट से उत्तरी ग्रिड को बिजली दी जाती है। उत्तरी ग्रिड से पूरे राजस्थान, उत्तरप्रदेश और पंजाब के पावर प्लांट सहित ग्रिड को बिजली सप्लाई की जाती है।

ऐसा कोई आदेश नहीं आया है कोटा थर्मल की चीफ इंजीनियर शिखा अग्रवाल ने कहा-मैं प्लांट में अपडेशन और मेंटेनेंस का काम करते हैं। बोर्ड की मीटिंग कॉरपोरेट लेवल पर होती है और पॉलिसी से जुड़े निर्णय भी कॉरपोरेट लेवल पर ही लिए जाते हैं। बोर्ड बैठक में क्या प्रस्ताव लिया गया, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उनके अनुसार, बोर्ड द्वारा निर्णय लेने के बाद उनके पास सीधे आदेश आते हैं।

यूनिट 1 से 4 को बंद करना पड़ सकता है

मामले पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा- बोर्ड बैठक में इस मुद्दे पर विचार किया गया। बैठक में संभावना व्यक्त की कि यदि 2030 के बाद पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिलती है, तो कोटा थर्मल की यूनिट 1 से 4 को बंद करना पड़ सकता है। मंत्री नागर ने बताया- थर्मल इकाइयों का सामान्य कार्यकाल 25 साल का होता है। इसके बाद भी यदि इकाई चलने लायक है, तो उसे चलाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए पर्यावरण स्वीकृति लेनी पड़ती है। पुरानी इकाइयों के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने में अक्सर दिक्कतें आती हैं। थर्मल प्लांट कोटा शहर में स्थित है, और आने वाले समय (2030) में इन यूनिटों के लिए पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन करना होगा। शायद वहां से अनुमति लेना मुश्किल होगा। अगर पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिलती है, तो उस स्थिति में हमें इन चारों यूनिटों को बंद करना पड़ेगा। इसके लिए विभाग अभी से तैयारी में जुटा है। यदि पर्यावरण स्वीकृति मिल जाती है, तो यूनिट चालू रखी जा सकती हैं।

5 साल पहले भी बंद करने की हुई थी कवायद

पांच साल पहले भी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कोटा थर्मल की पहली और दूसरी यूनिट को बंद करने के आदेश जारी किए गए थे। जनता के विरोध के बाद कांग्रेस सरकार में तत्कालीन वऊल मंत्री शांति धारीवाल ने वीडियो बयान जारी कर कहा था- 31 दिसंबर 2022 तक पहली और दूसरी इकाई को बंद नहीं किया जाएगा। क्योंकि दिसंबर 2022 तक पर्यावरण स्वीकृति मिली हुई है। राजस्थान विद्युत उत्पादन कर्मचारी संघ थर्मल इकाई कोटा के अध्यक्ष राम सिंह शेखावत ने कहा- इस फैसले से कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में कार्यरत ठेका श्रमिकों का आर्थिक नुकसान होगा। जो उनके घर के चूल्हे जल रहे हैं, वह बंद हो जाएंगे। बेरोजगारी की ओर बढ़ेंगे। कम से कम 1000 ठेका श्रमिक बेरोजगार हो जाएंगे। पर्यावरण को सुधारा जा सकता है। इन्हीं यूनिटों में नई तकनीकें अपनाकर सुधार करके चलाया जा सकता है। ऐसा नहीं लगता है कि सरकार इनको सुधार करने पर विचार कर रही है। अभियंता, तकनीकी कर्मचारियों को तो दूसरी पावर प्लांट में स्थानांतरण कर दिया जाएगा। ठेका श्रमिक बेरोजगार होगा।

जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़ा संदिग्ध युवक

यूपी के टेलीग्राम ग्रुप में शेयर करते थे भड़काऊ मैसेज

लोक टुडे। जैसलमेर

जैसलमेर में भारत-पाक सीमा के पास नाचना थाना क्षेत्र के भारेवाला इलाके से एक युवक को संदिग्ध गतिविधियों के संदेह में हिरासत में लिया गया। यूपी पुलिस के इनपुट पर की गई इस कार्रवाई में संदिग्ध टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े 29 साल के युवक को उसके घर से पकड़ा गया। फिलहाल उसे नाचना थाना में रखा गया है, इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां के हवाले किया गया। मामले में टेलीग्राम ग्रुप कनेक्शन और नेटवर्क की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिस को संदिग्ध ग्रुप से जुड़े युवाओं के इनपुट मिले थे, जिनमें कश्मीर और राजस्थान के कुछ युवक शामिल बताए गए। इसके बाद राजस्थान पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। नाचना पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और खुफिया सूचना के आधार पर युवक को हिरासत में लिया।

टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ाव की जांच : सूत्रों के अनुसार एक संदिग्ध टेलीग्राम ग्रुप में भारेवाला निवासी का नंबर मिला था। इस ग्रुप में संदिग्ध और देश विरोधी गतिविधियों की आशंका जताई गई है। यूपी पुलिस अब तक इस मामले में 4 लोगों को पकड़ चुकी है, जिनमें 2 कश्मीरी शामिल हैं। शुक्रवार को विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां युवक से संयुक्त पूछताछ की। इसमें मोबाइल डेटा, बैंक ट्रांजेक्शन और उसके संपर्कों सहित पूरे नेटवर्क की जानकारी ली।

रणथंभौर में सफारी के बाद विदेशी महिला टूरिस्ट की मौत

लोक टुडे। सवाईमाधोपुर

रणथंभौर (सवाई माधोपुर) में सफारी करने के कुछ घंटे बाद एक विदेशी पर्यटक की मौत हो गई। आयरलैंड की रहने वाली टूरिस्ट एक ग्रुप के साथ घूमने आई थी। गुरुवार (26 मार्च) रात को होटल में अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। सरकारी हॉस्पिटल में चेकअप के बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। टूरिस्ट का पोस्टमार्टम आयरलैंड एम्बेसी के अप्रूवल के बाद ही किया जाएगा।

दिन में 2 बार की थी सफारी : कुण्डेरा थाने के एएसआई रूप सिंह ने बताया कि आयरलैंड की मरियन फ्रांसिस (40) दोस्तों के साथ 25 मार्च को रणथंभौर आई थी। उनका ग्रुप हेरिटेज हवेली होटल में रुका था। सभी ने 26 मार्च को सुबह-शाम के स्लॉट में सफारी की थी। इसके बाद वे होटल आ गए थे। गुरुवार देर रात खाने के बाद करीब 2.30 बजे मरियन की तबीयत बिगड़ी थी।

शादी की खरीदारी कर लौट रहा था परिवार, टायर फटने से कैंपर पलटी

सड़क हादसे में दूल्हे समेत 12 लोग घायल

लोक टुडे। बाड़मेर

बाड़मेर जिले में गुरुवार को शादी की खरीदारी कर लौट रहे परिवार की बोलेरो कैंपर का टायर फटने से हादसा हो गया। रामसर थाना इलाके में डऊकियों की होदी के पास गाड़ी पलट गई, जिसमें दूल्हे समेत 12 लोग घायल हो गए। सभी को पहले रामसर हॉस्पिटल ले जाया गया और बाद में बाड़मेर रेफर किया गया, जबकि एक गंभीर घायल को जोधपुर भेजा गया। हादसा शाम को वापसी के दौरान हुआ और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गोरडिया गांव निवासी बख्तसिंह का परिवार बाड़मेर शहर में शादी की खरीदारी करने आया था। वापसी के दौरान रामसर से करीब 5 किलोमीटर पहले कैंपर का टायर फट गया। इससे गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई और सड़क किनारे पेड़ से टकराकर रुक गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई, इसके बाद आसपास के लोग पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। गाड़ी से घायलों को बाहर निकाला। बच्चे, महिला समेत 12 जने घायल हो गए। सभी रामसर हॉस्पिटल पहुंचाया गया। वहां पर प्राथमिक इलाज के बाद सभी को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल से गाड़ी को साइड में करवाया। वहीं आने-जाने का रास्ता खुलवाया गया। इधर रामसर हॉस्पिटल में डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ की कमी के कारण घायलों के इलाज में देरी होना भी सामने आया है। इससे रेफर करने में देरी हुई है।

शादी के पकड़े और सामान बिखरा : बोलेरो कैंपर में रखा शादी के कपड़े, गुड़, पताशा समेत अन्य सामान भरा हुआ था। हादसे के बाद सड़क पर बिखर गए।

लोकभवन में शनिवार रात्रि 8.30 बजे से 9.30 बजे तक बंद रहेंगे बिजली उपकरण

राज्यपाल बागडे ने प्रदेशवासियों से अर्थ ऑवर डे में सहभागिता की अपील

लोक टुडे। जयपुर

अर्थ ऑवर डे (28 मार्च) पर शनिवार को लोकभवन में रात्रि 8.30 बजे से 9.30 बजे तक सभी गैर-जरूरी विद्युत प्रकाश उपकरण बंद रखे जाएंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आमजन से भी अपील की है कि एक घंटे के लिए गैरजरूरी लाइट्स को बंद रखकर अर्थ ऑवर डे में सभी सहभागिता निभाएं। उन्होंने कहा कि इससे सामूहिक तौर पर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में हम सार्थक पहल कर पाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी यह हम सबकी महती पहल होगी। उल्लेखनीय है कि बिजली बचाने के मकसद से दुनियाभर में विश्व भर में 'अर्थ ऑवर डे' मनाया जाता है। यह अर्थ ऑवर वर्ल्ड वाइड फंड (WWF) का एक अभियान है। इसका मकसद लोगों को बिजली के महत्व के प्रति और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरुक करना है।

जीजा को मारने वाले 2 सालों समेत 4 को आजीवन-कारावास

लोक टुडे। बाड़मेर

जीजा के मर्डर करने के मामले में दो सगे साले समेत चार आरोपियों का आजीवन कारावास और 25 हजार रुपए के जुमार्ने की सजा मिली है। बाड़मेर एडीजे कोर्ट-2 के जज पीयूष चौधरी ने खेत विवाद को लेकर किए हमले में शुक्रवार को आरोपियों को दोषी माना और सजा सुनाई। कोर्ट में 20 गवाह, 7 आर्टकल और 56 डॉक्यूमेंट पेश किए है। करीब साढ़े तीन साल बाद कोर्ट ने आदेश दिया है। अपर लोक अभियोजक ने बताया- 7 जुलाई 2022 को मृतक मोहम्मद के भाई हाजी हासम ने रामसर थाने में रिपोर्ट दी थी। बताया कि हाजी हासक के बेटे सरादीन वगैरा और हरूण व मजीद का संयुक्त खेत गांव तामलियार में आया हुआ है। विवाद होने पर मामला उपखंड रामसर में पेश किया गया। इसका फैसला हो चुका है। लेकिन इस खेत को लेकर रंजिश चल रही थी। इसी को लेकर 6 जुलाई 2022 को कुल्हाड़ी व लाठी-डंडे लेकर आए और मोहम्मद का रास्ता रोककर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की।

सिर और हाथ समेत कई जगहों पर वार किए : मृतक के सिर, हाथ और जांघ पर कुल्हाड़ी से वार किए। बचाने आए सरादीन, इस्माइल पर भी वार किए गए। मोहम्मद की हॉस्पिटल में मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट पर मर्डर की धाराओं में साले मजीद, हारूण पुत्र नसीर, बचाया पुत्र हारूण, अलादीन पुत्र आदम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच करने के बाद कोर्ट में इनके खिलाफ आरोप-पत्र पेश किया गया।

3 साल 8 माह बाद आया फैसला : एडीजे कोर्ट 2 के जज पीयूष चौधरी ने दोनों पक्षों की बहस को सुना। इस दौरान कोर्ट में 20 गवाह, 7 आर्टिकल और 56 डॉक्यूमेंट पेश किए। शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट पीयूष चौधरी ने चार आरोपियों को आजीवन कारावास और 25 हजार के जुमार्ने की सजा सुनाई है। इसमें दो आरोपी मृतक मोहम्मद के साले है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)